महिलाओं के लिए सुरक्षित दिल्ली अभियान

महिला व बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार, यूनिफ़ेम, जागोरी व यूएन हैबिटेट का संयुक्त प्रयास

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा व बढ़ती असुरक्षा को मद्देनज़र रखते हुए *महिला व बाल विकास तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री* प्रोफेसर किरण वालिया ने *यूनिफ़ेम, जागोरी* व *यूएन हैबिटेट* के साथ मिल कर महिलाओं के लिए *सुरक्षित दिल्ली अभियान* की शुरूआत की है। यह कार्यक्रम 25 नवम्बर, जो **महिलाओं के ख़िलाफ़ हिंसा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस है** और **महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के अंतर्राष्ट्रीय पखवाड़े** की शुरूआत, को दिल्ली के सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रोफेसर किरण वालिया व *यूनिफ़ेम* की क्षेत्रीय निदेशक ऐनी स्टेन हैमर ने दीप जलाकर की।

अपने वक्तव्य में ऐनी स्टेन हैमर ने इस अगुवाई के बारे मे बताते हुए कहा कि औरतों के ख़िलाफ़ हिंसा सिर्फ़ महिलाओं का मुद्दा नहीं बल्कि एक मानव अधिकार का विषय है। उनका विचार है कि सार्वजनिक क्षेत्रों में औरतें ज़्यादा असुरक्षित हैं तथा हिंसा मुक्त जीवन के लिए इस पहल में पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित करना ज़रूरी है जिससे वे महिला मुद्दों के प्रति ज़िम्मेदार व संवेदनशील बनें। अंत में उन्होंने कहा कि "एक साथ मिलकर हम यह कर सकते हैं और ज़रूर करेंगे।"

जागोरी की ओर से कल्पना विश्वनाथ में इस अगुवाई को आगे ले जाने के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। *जागोरी* के *सुरक्षित दिल्ली अभियान* के पिछले पांच वर्षों के काम की जानकारी देते हुए उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस मुद्दे पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है जिससे यह महज "ईव टीज़िंग" तक सीमित न होकर रह जाए। इस महत्वपूर्ण काम से जुड़े सभी संगठनों को उन्होंने *जागोरी* की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। अपनी बात को समाप्त करते हुए उन्होंने कहा कि "हमारा ख्वाब है कि औरतों के प्रति हिंसा जड़ से मिट जाए जिससे वे बिना डरे और आंतकित हुए किसी भी जगह आज़ादी से आ-जा सकें।"

इसके बाद मदनपुर खादर की युवा कार्यकर्त्ता रमा ने शहर से जुड़े अपने अनुभव बांटे तथा बताया कि किस प्रकार *जागोरी* के सहयोग से खादर पुनर्वास क्षेत्र में सुरक्षा जांच की जा रही है जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अपनी जांच के परिणामों को नगर पालिका व पुलिस के सामने पेश करने की बात भी उन्होंने सबके साथ बांटी।

आज़ाद फाउंडेशन से जुड़ी टैक्सी चालक शन्नो बेगम

समाचार सार

सुरक्षित दिल्ली अभियान

जनसत्ता संवाददाता 26/11/09

नई दिल्ली, 25 नवंबर। राजधानी में सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकने और उनकी सुरक्षा की कमी पर ध्यान देने के लिए यूनिफेम, जागोरी और यूएन हैबिटेट के सहयोग से दिल्ली सरकार ने बुधवार को 'महिलाओं के लिए सुरक्षित दिल्ली' अभियान शुरू किया। नई दिल्ली स्थित सेंट्रल पार्क में हुए एक समारोह में यह पहल की गई।

महिलाओं के लिए सुरक्षित दिल्ली अभियान के जरिए सरकार का मकसद एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में काम करना है जहां महिलाएं व कमजोर समूह सुरक्षित रहें और सुरक्षित माहौल में वे आ जा सकें। इस मौके पर दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रो. किरण वालिया ने कहा कि समग्र तरीके से भारत में महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान देने के लिए दिल्ली एक मॉडल का निर्माण करेगी। दिल्ली सरकार एक योजना बना रही है, जो बहु-युक्तिसंगत होगी।

ने सभी के साथ एक पुरुष केंद्रित व्यवसाय में अपनी जगह बनाने के अनुभव बांटे। उन्होंने महिलाओं से गुज़ारिश की कि वे अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम बनें।

प्रोफेसर किरण वालिया ने संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र, **'से नो टु वॉयलेंस'** पर हस्ताक्षर किए जिसमें दर्ज है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने सार्वजनिक जगहों पर औरतों की असुरक्षा की बात करते हुए *जागोरी* के अभियान को सराहा। सुरक्षा जांच की समीक्षा करते हुए उन्होंने उदाहरण के तौर पर बताया कि शहर में महिला शौचालयों की कमी है और जहां ये सुविधा मौजूद है वहां यौन हिंसा के डर से औरतें इनका उपयोग करने से कतराती हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे कार्यक्रम सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने पुरुषों से भी गुज़ारिश की कि वे खामोश न रहें बल्कि आगे आकर इस मुद्दे को सहयोग दें। किरण वालिया ने बसों में होने वाली छेड़छाड़ की बात करते हुए बताया कि सरकार बसों में कैमरे लगाने का विचार कर रही है जिससे अभियुक्तों को सज़ा दी जा सके। अपनी बात को समापन करते हुए उन्होंने कहा कि "दो लोग दो हज़ार को बदलने की क्षमता रखते हैं।"

महिला व बाल विकास विभाग के निदेशक राजीव काले ने *जागोरी* व *यूनिफ़ेम* के साथ भागीदारी पर खुशी जताई तथा सार्वजनिक स्थलों पर हिंसा के लिए कानून बनाने की ज़रूरत पर बात की। उन्होंने पुलिस व नगर पालिका के साथ मिलकर इस विषय पर काम करने में अपनी सहमति दिखाई तथा बेस लाईन सर्वेक्षण की मदद से हस्तक्षेप नीतियां बनाने का अपना संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के अंत में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया जिसमें नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ व गीत प्रस्तुत किये गए। शाम का समापन एक मोमबत्ती चौकसी से किया गया जिसमें सभी मौजूद सदस्यों ने महिलाओं व लड़कियों के लिए एक हिंसा मुक्त दिल्ली बनाने की प्रतिबद्धता की शपथ ली।

— जुही जैन

'सुरक्षित दिल्ली पहल' से महफूज रहेंगी महिलाएं

अ० उ० 26/11/09

योजना

विभिन्न संगठनों के सहयोग से दिल्ली सरकार ने बनाई योजना

महिलाओं को और कमजोर वर्ग को सुरक्षा देने की कवायद

नई दिल्ली। दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उनकी सुरक्षा का जिम्मा अब 'असुरक्षित दिल्ली पहल' पर होगा। राजधानी में सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए यूनिफेम (यूएनआईएफईएम), जागोरी और यूएन हैबिटेट के सहयोग से दिल्ली के सहयोग से दिल्ली सरकार ने सुरक्षित दिल्ली पहल (सेफ देल्ही फार विमेन इनिशिएटिव) योजना लांच की है। दिल्ली स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित एक समारोह में बुधवार को यह योजना लांच की गई।

महिलाओं के लिए सुरक्षित दिल्ली पहल के जरिये दिल्ली सरकार का उद्देश्य एक ऐसे शहर के निर्माण की दिशा में कार्य करना है, जहां महिलाएं एवं कमजोर समूह सुरक्षित रहें और सुरक्षित माहौल में कहीं भी आ-जा सकें। महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डॉ. किरण वालिया ने बताया कि शहरों में एक समग्र तरीके से महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान देने के लिए एक मॉडल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार एक योजना बना रही है, जिसके अंतर्गत स्टेकहोल्डर्स के रूप में पुलिस, शहरी योजनाकार, सेवा प्रदाता परिवहन पदाधिकारी सामुदायिक समूह और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी होंगे। पुलिस को रोकथाम संबंधी उपायों और केस रिपोर्ट होने पर तुरंत एवं दक्षतापूर्ण ढंग से कदम उठाने के दोनों कार्य करने होंगे। शहरी योजना तैयार करने और डिजाइन में जेंडर को एक मूल तत्व के रूप में शामिल किया जाएगा ताकि शहरों को अधिक सम्मिलित स्वरूप प्रदान किया जा सके।